

ग्रसीचारण

EXTRAORDINARY

भाग 11-- लण्ड 3-- उपलब्द (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

ਲਂo 110] No. 112] नई रिल्ली, वानिवार, मई 4, 1974/बैदास 14, 1896

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 4, 1974/VAISAKHA 14, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing) NOTIFICATION

New Dellii, the 4th May 1974

G.S.R. 210 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 and sub-ection (1) of section 36 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby appoints the Chief Engineer and Administrator, New Mangalore, to be the Conservator of the Port of New Mangalore and to receive all dues, fees or other charges authorised to be taken at he Port of New Mangalore by or under the said Act and, subject to the control of the Central G overnment, to expend the receipts on any of the objects authorised by the said Act.

[No. F. 12-PGB(42)/73] K. SIVARAJ, Jt. Secy.

नोबहुन भीर परिबहुन मंत्रासय

(परिचहन पक्ष)

ग्रधिम्बना

नई दिल्ली, 4 मई 1974

सा॰शः।॰िन॰ 210(ग्र. ---भारतीय पसन ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 की खन्धारा (1) ग्रीर धारा 36 की खन्धारा (1) ग्रीर श्रीर भेरते हुए, केन्द्रीय

सरकार नुस्य इंजीनियर श्रोर प्रणासक, नयः मंगलोर को, नया मंगलोर के पत्तन पाल के रूप में भीर उक्त श्रीधित्यम हाणा या के श्राधीन नये मंग नोर के पत्तन पर लिए जाने के लिए श्रीधकृत सभी शोध्यों, फीसों या श्रन्य प्रभारों को प्राप्त करने के लिए श्रीर केन्द्रीय सरकार के नियंत्रणाधीन रहते हुए प्राप्तियों को उक्त श्रीधिनियम के हारा श्राधिकृत किन्ह्री उद्देश्यों पर सर्थ करने के लिए नियुक्त करती है।

> [सं॰ का॰ 12-पी॰जी॰की॰ (42)/73] के॰ सिवराज, संयुक्त संकिन।